Maithili - Salvation Scriptures

इफिसी 2:2 ओहि समय मे अहाँ सभ पापक रस्ता पर चलैत एहि संसारक रीतिक अनुसार जीवन व्यतीत करैत छलहुँ। शैतान, जे एहि धरतीक उपरक आध्यात्मिक शक्ति सभक स्वामी अछि, तकर बात मानैत छलहुँ। ओ आत्मा एखनो परमेश्वरक बात नहि मानऽ वला लोक सभ मे क्रियाशील अछि।

मत्ती 6:10 अहाँक राज्य आबय, अहाँक इच्छा जहिना स्वर्ग मे पूरा होइत अछि, तहिना पृथ्वी पर सेहो पूरा होअय।

लूका 22:42 "हे पिता, अहाँ जँ चाहैत छी, तँ ई दुःखक बाटी हमरा लग सँ हटा लिअ। मुदा तैयो हमर इच्छा नहि, अहींक इच्छा पूरा होअय।"

यूहन्ना 16:7-9 मुदा हम सत्ये कहैत छी जे ई अहाँ सभक हितक लेल अछि जे हम जा रहल छी, किएक तँ जँ हम नहि जायब तँ सहायक नहि औताह, लेकिन जँ हम जायब तँ हम हुनका अहाँ सभ लग पठा देबनि। 8 ओ जखन औताह तँ पाप, धार्मिकता आ न्यायक विषय मे संसारक दोष सिद्ध करथिन। 9 ओकर दोष पापक विषय मे एहि लेल सिद्ध होयतैक, जे ओ सभ हमरा पर विश्वास नहि करैत अछि;

2 तिमुथियुस 2:10 तेँ हम ई सभ कष्ट तिनका सभक हितक लेल धैर्यपूर्बक सहि लैत छी, जिनका सभ केँ परमेश्वर चुनने छथि, जाहि सँ ओहो सभ मसीह यीशु द्वारा उद्धार प्राप्त करथि आ तकरा संग अनन्तकालीन महिमा मे सहभागी होथि।

रोमी 15:20,21 हमर मोनक आकांक्षा यैह रहल जे जतऽ मसीहक नाम नहि पहुँचल अछि ततऽ शुभ समाचार सुनाबी, जाहि सँ अनका न्यो पर हम घर नहि बनाबी। 21 बल्कि, जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, "जकरा सभ केँ हुनका सम्बन्ध मे कहियो नहि कहल गेल छलैक, से सभ देखत, जे सभ हुनका सम्बन्ध मे कहियो नहि सुनने छल, से सभ बुझत।"

मसीह-दूत 2:36,37 "तेँ समस्त इस्राएली लोक ई निश्चय जानि लेअय जे एही यीशु केँ जिनका अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि देलियनि, परमेश्वर तिनके प्रभु और उद्धारकर्ता-मसीह ठहरा देलथिन।" 37 सुनऽ वला लोक सभक मोन मे ई बात गड़ि गेलैक, और ओ सभ पत्रुस और आन मसीह-दूत सभ सँ पुछलकनि, "यौ भाइ लोकनि, हम सभ आब की करू?"

इब्रानी 4:2 कारण, जहिना ओकरा सभ केँ शुभ समाचार सुनाओल गेल छलैक तहिना अपनो सभ केँ सुनाओल गेल अछि, मुदा ओहि सुनाओल वचन सँ ओकरा सभ केँ कोनो लाभ नहि भेलैक, कारण, ओ सभ सुनि कऽ तकरा विश्वासक संग स्वीकार नहि कयलक।

यर्मिया 24:7 - मत्ती 22:37 यीशु उत्तर देलथिन, "'तोँ अपन प्रभु-परमेश्वर केँ अपन सम्पूर्ण मोन सँ, अपन सम्पूर्ण आत्मा सँ आ अपन सम्पूर्ण बुद्धि सँ प्रेम करह।'

मसीह-दूत 16:14 ओहि मे थूआतीरा नगरक एक लुदिया नामक स्त्री रहथि जे किमती रंगीन कपड़ाक व्यापार करैत छलीह। ओ परमेश्वर कैँ माननिहारि छलीह आ हमरा सभक बात सुनि रहल छलीह। प्रभु हुनका मोनक द्वारि खोललनि जाहि सँ ओ पौलुसक बात पर ध्यान दऽ कऽ विश्वास करथि।

मत्ती 13:14-16 एकरा सभ मे यशायाहक ई भविष्यवाणी पूरा होइत अछि जे, 'तोँ सभ सुनैत तँ रहबह मुदा बुझबह नहि, तोँ सभ देखैत तँ रहबह मुदा देखाइ देतह नहि।' 15 'कारण, एहि लोक सभक मोन मे ठेला पड़ि गेल छैक, ई सभ कान सँ उच्च सुनैत अछि, ई सभ अपन आँखि मुनि लेने अछि, जाहि सँ कतौ एना नहि होअय जे 2 आँखि सँ देखय, 2 कान सँ सुनय, 2 मोन सँ बुझय, 2 आ घूमि कऽ हमरा लग आबय, 2 आ हम ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कऽ दिऐक।' 16 "मुदा धन्य छी अहाँ सभ जे आँखि सँ देखैत छी आ कान सँ सुनैत छी।

यशैया 6:9,10 - मसीह-दूत 28:27 कारण, एहि लोक सभक मोन मे ठेला पड़ि गेल छैक, 2 एकरा सभक कान बहीर भऽ गेल छैक। 2 ई सभ आँखि मुनि लेने अछि, जाहि सँ कतौ एना नहि होअय जे 2 आँखि सँ देखय, 2 कान सँ सुनय, 2 मोन सँ बुझय, आ घूमि कऽ हमरा लग आबय 2 और हम ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कऽ दिऐक।'

मरकुस 4:11,12 यीशु कहलथिन, "परमेश्वरक राज्यक रहस्यक ज्ञान अहाँ सभ कैँ देल गेल अछि, मुदा जे बाहरक लोक अछि तकरा सभक लेल सभ बात दृष्टान्तक रूप मे रहैत छैक, 12 जाहि सँ, जहिना लिखल अछि, 'तकितो ओ सभ देखय नहि, सुनितो ओ सभ बुझय नहि। एना जँ नहि रहैत तँ ओ सभ घुमि कऽ परमेश्वर लग अबैत और क्षमा पबैत।' "

यूहन्ना 12:39,40 तेँ ओ सभ विश्वास नहि कऽ सकल, कारण, जेना यशायाह दोसर ठाम कहैत छथि, 40 "प्रभु ओकरा सभक आँखि आन्हर कऽ देने छथिन, और ओकरा सभक मोन कठोर कऽ देने छथिन, 2 जाहि सँ ओ सभ ने आँखि सँ देखय, 2 ने मोन सँ बुझय, 2 आ ने हमरा दिस घूमि कऽ आबय 2 कि हम ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कऽ दिऐक।"

रोमी 11:7,8 तँ एकर मतलब की भेल? ई जे, इस्राएली सभ जाहि बातक खोज मे छलाह, से हुनका सभ गोटे कैँ नहि भेटलनि, मुदा तिनका सभ कैँ भेटलनि जे सभ चुनल गेल छलाह। बाँकी लोक सभ जिद्दी बनि गेलैक, 8 जेना धर्मशास्त्र मे लिखलो अछि, "परमेश्वर ओकरा सभक मोन सुस्त बना देलथिन, एहन आँखि देलथिन जे देखि नहि सकैत छल आ एहन कान देलथिन जे सुनि नहि सकैत छल, और आइ धरि ओकरा सभक दशा एहने बनल छैक।"

2 थिसलुनिकी 2:10,11 और नाश भेनिहार लोक सभ कैँ हर प्रकारक अधर्मक माध्यम सँ धोखा दऽ कऽ फँसाओत। ओ सभ एहि लेल नाश भेनिहार अछि जे ओ सभ ओहि सत्य सँ प्रेम नहि करऽ चाहलक जे सत्य ओकरा सभ कैँ बँचा सकैत छलैक। 11 एही लेल परमेश्वर ओकरा सभ मे भ्रमपूर्ण मनोभाव उत्पन्न करैत छथिन जाहि सँ ओ सभ झूठक विश्वास करय।

मत्ती 13:18-23 "आब अहाँ सभ बाउग कयनिहार वला दृष्टान्तक अर्थ सुनू। 19 जखन केओ परमेश्वरक राज्यक शुभ समाचार सुनैत अछि मुदा बुझैत नहि अछि, तखन शैतान आबि कऽ

जे किछु ओकरा हृदय मे बाउग कयल गेल रहैत अछि से ओकरा सँ छिनि कऽ लऽ लैत अछि। ई वैह बीया भेल जे रस्ताक कात मे बाउग कयल गेल छल। 20 पथराह जमीन पर बाउग कयल बीया ओ व्यक्ति भेल जे परमेश्वरक शुभ समाचार सुनि कऽ तुरत आनन्दपूर्बक ओकरा ग्रहण कऽ लैत अछि, 21 मुदा ओ वचन ओकरा मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक आ ओ कनेके काल स्थिर रहैत अछि। जखन शुभ समाचारक कारणेँ ओकरा कष्ट सहऽ पड़ैत छैक वा ओकरा संग अत्याचार होमऽ लगैत छैक तँ ओ तुरत विश्वास कैँ छोड़ि दैत अछि। 22 काँट-कुशक बीच खसल बीया ओ मनुष्य भेल जे शुभ समाचार कैँ सुनैत अछि मुदा सांसारिक चिन्ता आ धन-सम्पत्तिक मोह-माया ओहि शुभ समाचार कैँ दबा दैत छैक और ओ वचन ओकरा जीवन मे कोनो फल नहि दैत अछि। 23 नीक जमीन मे बाउग कयल बीया ओ सभ अछि जे सभ शुभ समाचार सुनैत अछि और बुझैत अछि। ओ फड़ि-फुला कऽ फसिल दैत अछि, केओ सय गुना, केओ साठि गुना आ केओ तीस गुना।"

2 कोरिन्थी 3:15,16 हँ, आइओ जखन मूसाक धर्म-नियम पढ़ल जाइत अछि तँ ओकरा सभक मोन पर परदा टाँगल रहैत छैक। 16 मुदा जखने केओ प्रभु लग फिरैत अछि तँ ओ परदा हटा देल जाइत अछि।

होशे 11:3-7 - मत्ती 11:28-30 "हे थाकल आ बोझ सँ पिचायल लोक सभ, हमरा लग आउ। हम अहाँ सभ कैँ विश्राम देब। 29 हमर जुआ अपना उपर उठा लिअ आ हमरा सँ सिखू, किएक तँ हम स्वभाव सँ नम्र आ दयालु छी। अहाँ सभ अपना आत्माक लेल विश्राम पायब। 30 कारण, हमर जुआ आसान अछि आ हमर भार हल्लुक।"

मसीह-दूत 26:18 तोँ ओकरा सभक आँखि खोलह और ओकरा सभ कैँ अन्हार सँ इजोत मे, अर्थात् शैतानक राज्य सँ परमेश्वर लग, घुमाबह, जाहि सँ हमरा पर विश्वास कयला सँ ओ सभ पापक क्षमा प्राप्त करय आ परमेश्वरक पवित्र कयल लोकक संग उत्तराधिकारी बनय।'

2 तिमुथियुस 2:24-26 ई जरूरी अछि जे प्रभुक सेवक लड़ाइ-झगड़ा मे नहि पड़थि, बल्कि सभ पर दया करथि। ओ योग्य शिक्षक होथि आ सहनशील होथि। 25 ई जरूरी अछि जे ओ विरोध कयनिहार सभ कैँ नम्रतापूर्बक बुझबथि, ई आशा राखि जे परमेश्वर ओकरा सभ कैँ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन करबाक आ सत्य कैँ चिन्हि सकबाक बुद्धि देथिन, 26 जाहि सँ ओ सभ होश मे आबि शैतानक ओहि फाँस सँ निकलि जाय, जाहि मे फँसा कऽ शैतान ओकरा सभ सँ अपन इच्छा पूरा करयबाक लेल ओकरा सभ कैँ अपन गुलाम बना लेने छैक।

प्रकाशित-वाक्य 3:17-19 अहाँ कहैत छी जे, "हम धनवान छी, हम सुखी-सम्पन्न भऽ गेलहुँ, हमरा कोनो बातक अभाव नहि अछि।" मुदा अहाँ नहि जनैत छी जे अहाँक दशा कतेक खराब अछि। अहाँ अभागल, गरीब, आन्हर आ नाङट छी। 18 हम अहाँ कैँ जे सल्लाह दैत छी, से सुनू। हमरा सँ आगि मे शुद्ध कयल सोना किनि कऽ धनिक भऽ जाउ, हमरा सँ उज्जर वस्त्र मोल लऽ कऽ पहिरि लिअ आ अपन नाङटपनक लज्जा कैँ झाँपि लिअ, हमरा सँ मलहम किनि कऽ

अपना आँखि पर लगाउ जाहि सँ अहाँ देखि सकब। 19 हम जकरा सभ सँ प्रेम करैत छी, तकरा सभ कैँ डँटैत छिऐक आ सजाय दऽ कऽ सुधारैत छिऐक। एहि लेल तन-मन-धन सँ हमर बात मानू आ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू।

2 कोरिन्थी 7:10 किएक तँ परमेश्वरक सम्मुख जे श्रद्धापूर्ण दुःख होइत अछि से पापक लेल एहन पश्चात्ताप और हृदय-परिवर्तन उत्पन्न करबैत अछि, जकर परिणाम होइत अछि उद्धार, आ ओहि सँ लोक कैँ पछताय नहि पड़ैत छैक, मुदा सांसारिक दुःखक परिणाम मृत्यु होइत अछि।

1 राजा 18:37 - God turned heart back to God

2 कोरिन्थी 4:4 शैतान, जे एहि संसारक ईश्वर अछि, से ओहि अविश्वासी सभक बुद्धि कैँ आन्हर बना देने छैक जाहि सँ ओ सभ परमेश्वरक प्रतिरूप, जे मसीह छथि, तिनकर महिमाक इजोत जे सुसमाचार द्वारा प्रगट कयल गेल अछि, से नहि देखय।

लूका 8:11-15 "दृष्टान्तक अर्थ ई अछि—बीया परमेश्वरक वचन अछि। 12 रस्ताक कात मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे हुनकर वचन सुनैत अछि मुदा शैतान आबि कऽ ओकरा सभक मोन मे सँ ओहि वचन कैँ निकालि कऽ लऽ जाइत छैक, जाहि सँ कतौ ओ सभ विश्वास कऽ कऽ उद्धार नहि पाबए। 13 पथराह जमीन मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे परमेश्वरक वचन सुनि खुशी सँ ओकरा स्वीकार करैत अछि, मुदा ओ वचन ओकरा सभ मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक। ओ सभ किछु काल विश्वास तँ करैत अछि, मुदा परीक्षाक समय जखन अबैत छैक तँ विश्वास कैँ छोड़ि दैत अछि। 14 काँट-कुश मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे सुनैत तँ अछि, मुदा आगाँ जा कऽ जीवनक चिन्ता, धन-सम्पत्ति और सुख-विलास सभक द्वारा दबाओल जाइत अछि, और ओ सभ कोनो फसिल नहि दैत अछि। 15 मुदा नीक जमीन मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे नीक और शुद्ध मोन सँ परमेश्वरक वचन सुनि कऽ अपना हृदय मे रखैत अछि, और धैर्यपूर्बक नीक फसिल दैत अछि।

मसीह-दूत 15:11 नहि! अपना सभक विश्वास अछि जे अपना सभक उद्धार प्रभु यीशुक कृपेक कारणेँ भेल अछि—जेना ओकरा सभक तेना अपनो सभक।"

रोमी 8:13 कारण, जँ अहाँ सभ मानवीय स्वभावक अनुरूप जीब तँ अवश्य मरब, मुदा जँ पवित्र आत्माक शक्ति द्वारा ताहि अधलाह काज सभक अन्त करब जे शरीर सँ कयल जाइत अछि तँ जीवन प्राप्त करब,